जलवायु आपदा

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-I (भूगोल) से संबंधित है।

द हिन्दू

22 मार्च, 2022

वर्ल्ड स्लीपवालकिंग टू क्लाइमेट डिज़ास्टर

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस ने सोमवार को कहा कि "दुनिया जलवायु तबाही के लिए सो रही है।", प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं ने तब कार्बन प्रदूषण को बढ़ाने की अनुमति दी जब कठोर कटौती की आवश्यकता है।

उन्होंने लंदन में एक स्थिरता सम्मेलन में कहा कि ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस पर सीमित करने का ग्रह-संरक्षण लक्ष्य पहले से ही "जीवन समर्थन पर" है।

संयुक्त राष्ट्र के इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) के अनुसार, 1.5 डिग्री सेल्सियस की प्राप्ति के लिए 2030 तक उत्सर्जन में 45% की गिरावट और मध्य शताब्दी तक कार्बन तटस्थता की आवश्यकता है।

लेकिन भले ही राष्ट्र पेरिस समझौते के तहत नए संशोधित वादों का सम्मान करते हैं, फिर भी दशक समाप्त होने से पहले उत्सर्जन में 14% की वृद्धि होना तय है।

"समस्या बदतर होती जा रही है," श्री गुटेरेस ने पहले से रिकॉर्ड किए गए वीडियो संदेश में कहा कि "हम जलवायु आपदा के लिए सो रहे हैं।"

उन्होंने कहा कि "अगर हम इसे और अधिक जारी रखते हैं, तो हम 1.5 डिग्री सेल्सियस को अलविदा कह सकते हैं और "दो डिग्री भी पहुँच से बाहर हो सकती है।"

कार्बन प्रदूषण को कम करने और हवा से CO_2 निकालने के विकल्पों पर एक ऐतिहासिक रिपोर्ट को मान्य करने के लिए 195-राष्ट्र IPCC की दो सप्ताह की बैठक शुरू होने से कुछ घंटे पहले ही उनकी टिप्पणी आई थी।

असमान खर्च

रिपोर्ट से यह निष्कर्ष निकलने की उम्मीद है कि यदि पेरिस के तापमान लक्ष्यों को पूरा करना है तो CO_2 उत्सर्जन कुछ वर्षों के भीतर चरम पर होना चाहिए।

श्री गुटेरेस ने COVID वसूली खर्च को "निंदनीय रूप से असमान" और स्वच्छ ऊर्जा की ओर मोड़ को तेज करने के लिए एक चूक अवसर के रूप में वर्णित किया।

उन्होंने कहा कि यूक्रेन पर रूसी आक्रमण, जीवाश्म ईंधन निर्भरता में बंद आयातकों के साथ जलवायु कार्रवाई को और पटरी से उतार सकता है क्योंकि वे रूसी तेल और गैस को बदलने के लिए हाथापाई करते हैं।

श्री गुटेरेस ने कहा कि "देश तत्काल जीवाश्म ईंधन आपूर्ति अंतर से इतने अधिक उपभोग कर सकते हैं कि वे (जलवायु) नीतियों की उपेक्षा करते हैं।"

"यह पागलपन है। जीवाश्म ईंधन की लत पारस्परिक रूप से निश्चित विनाश है।"

देशों को अलग नहीं करने की सामान्य प्रथा को तोड़ते हुए, श्री गुटेरेस ने उत्सर्जन को कम करने के लिए "सार्थक" निकट-अवधि की योजनाओं को पूरा करने में विफल रहने के लिए ऑस्ट्रेलिया और "मुट्ठी भर होल्डआउट्स" को सूचित किया।

उन्होंने यह भी कहा कि चीन, भारत, इंडोनेशिया और अन्य "उभरती अर्थव्यवस्थाओं" की विकास की जरूरतें उन्हें विशेष रूप से कोयले पर समान प्रतिबद्धता बनाने से रोकती हैं।

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

प्र. ग्लोबल वार्मिंग/'ग्रीन हाउस प्रभाव' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. 'ग्रीन हाउस प्रभाव' के कारण हाल के दिनों में वैश्विक तापमान में वृद्धि हुई है।
2. ग्लोबल वार्मिंग के कारण 2050 तक विश्व का तापमान 4.5 डिग्री सेल्सियस से बढ़कर 5 डिग्री सेल्सियस हो सकता है।

उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

(क) केवल 1
(ख) केवल 2
(ग) 1 और 2 दोनों
(घ) कोई नहीं

Expected Question (Prelims Exams)

Q. Consider the following statements regarding Global warming /Green house effect.

1. 'Green House effect' has led to the rise in Global temperature in the recent past.
2. Global warming may cause the world temperature to rise by 4.5 degree celsius to 5 degree celsius by 2050.

which of the above statements is/are correct?

(a) 1 only
(b) 2 only
(c) Both 1 and 2
(d) None

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्र. ग्लोबल वार्मिंग क्या है? ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन को 1.5 डिग्री सेल्सियस से कम करने की दिशा में विभिन्न प्रयासों पर चर्चा करें। (250 शब्द)

Q. What is global warming? Discuss the various efforts in the direction of reducing the Green house gas emissions below 1.5 degree celsius. (250 Words)

नोट :- अभ्यास के लिए दिया गया मुख्य परीक्षा का प्रश्न आगामी UPSC मुख्य परीक्षा को ध्यान में रख कर बनाया गया है। अतः इस प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आप इस आलेख के साथ-साथ इस टॉपिक से संबंधित अन्य स्त्रोतों का भी सहयोग ले सकते हैं।